

प्रेषक,

कुंवर सिंह,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।

प्रशिक्षण एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक: २७ नवम्बर, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु सेवायोजन प्रखण्ड के अन्तर्गत आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष में टी.एस.पी. के अधीन संचालित योजनाओं हेतु अवचनबद्ध मदों में धनराशि अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में।

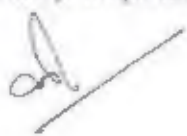
महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 6135/डीटीईयू/लेखा/सेवा/बजट मांग/2007, दिनांक 13.08.2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु प्रशिक्षण एवं सेवायोजन विभाग के अन्तर्गत सेवायोजन प्रखण्ड में टी.एस.पी. के अधीन आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष में अवचनबद्ध मदों की धनराशि संलग्न-विवरणानुसार रूपये 6,78,000/- (रूपये छः लाख अद्विंश हजार मात्र) की धनराशि को व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही है, कि उक्त मद में आबंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आबंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

3- व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएसएण्डडी, की दरों अथवा शर्तों, टेण्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

4- कम्प्यूटर आदि का कय एन0आई0सी0/आई0टी0 की संस्तुति अथवा उनके दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा।



5- उक्त धनराशि को 31/3/2008 तक पूर्ण व्यय करते हुये उपयोगिता तथा उपभोग प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु अनुदान संख्या-30 मुख्य लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित लेखाशीर्षक की सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा। यह आंबटन निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन के अधीन शिक्षण एवं मार्ग दर्शन केन्द्र की स्थापना/कालसी में जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए विशिष्ट रोजगार केन्द्र के लिए किया जा रहा है।

7- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 1059/वित्त अनु0-5/2007, दिनांक: 15 नवम्बर, 2007 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्न : यथोपरि।

भवदीय

(कुंवर सिंह)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1096 (1)/VIII/08-सेवा0/2007, तददिनांक :

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- सम्बन्धित जनपद के कोषाधिकारी।
- 3- अपर सचिव, वित्त-बजट।
- 4- वित्त अनुभाग-5
- 5- नियोजन विभाग।
- 6- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 7- गार्ड फाइल।



आज्ञा से,


(लक्ष्मण सिंह)
अनुसचिव।

शासनादेश संख्या: 1096/VIII/08-सेवा0/2007, दिनांक: 27.11.2007 का संलग्नक
 आयोजनागत अनुदान संख्या: 31 घनराशि हजार रुपये में

मुख्य लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार
 02-रोजगार सेवायें
 796-जनजातीय क्षेत्र उपयोगना
 01-शिक्षण एवं मार्ग दर्शन केन्द्रों की स्थापना

क्र०सं०	कोड/मद	आवंटित घनराशि
1.	04 यात्रा व्यय	30
2.	07 मानदेय	15
3.	08 कार्यालय व्यय	36
4.	11 लेखन सामग्री/फार्म छपाई	30
5.	12 कार्यालय फर्नीचर/उपकरण	50
6.	16 व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं हेतु	15
7.	26 मशीनें साज-सज्जा/उपकरण व संयंत्र	20
8.	27 चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	100
9.	45 अवकाश यात्रा व्यय	50
10.	46 कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर कय	50
11.	47 कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्संबंधी स्टेशनरी	15

योग :

411/-

आयोजनेत्तर अनुदान संख्या: 31 (रुपये चार लाख ग्यारह हजार मात्र)
 मुख्य लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार घनराशि हजार रुपये में

02-रोजगार सेवायें
 796-जनजातीय क्षेत्र उपयोगना

क्र०सं०	कोड/मद	आवंटित घनराशि
1.	04 यात्रा व्यय	21
2.	07 मानदेय	06
3.	08 कार्यालय व्यय	30
4.	11 लेखन सामग्री/फार्म छपाई	20
5.	12 कार्यालय फर्नीचर/उपकरण	20
6.	26 मशीनें साज-सज्जा/उपकरण व संयंत्र	10
7.	27 चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	50
8.	45 अवकाश यात्रा व्यय	50
9.	46 कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर कय	50
10.	47 कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्संबंधी स्टेशनरी	10

योग :

267/-

महायोग : अंकों में
 शब्दों में

(रुपये दो लाख सड़सठ हजार मात्र)

678/-

(रुपये छः लाख अठहत्तर हजार मात्र)




 (लक्ष्मण सिंह)
 अनुसचिव।